MT EDUCARE LTD.

QUEST- II (Semi Prelim - II)
2018 - 19

अपठित गद्यांश एवं पद्यांश, गद्य - एक कहानी यह भी, स्त्री-शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन, नौबतखाने में इबादत, संस्कृतिः, **पद्य** - उत्साह / अट नहीं रही है, यह दंतुरित मुसकान / फसल , छाया मत छूना, कन्यादान, संगतकार, **कृतिका** - एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा !, मैं क्यों लिखता हूँ ?, **व्याकरण, लेखन**

SET A

CBSE - X

Roll No. | | | | | | | |

Code No. 52/1

Series LRH/1

•	खण्डः क	:	अपठित बोध 15 अंक
•	खण्डः ख	:	व्यावहारिक व्याकरण 15 अंक
•	खण्डः ग	:	पाठ्यपुस्तक क्षितिज व पूरक पाठ्पुस्तक कृतिका 30 अंक
•	खण्डः घ	:	लेखन 20 अंक

Time allowed **:** 3 hours ***Maximum Marks*** **:** 80

HINDI COURSE - A

General Instructions :

(1) इस प्रश्न- पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग और घ ।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खण्ड: 'क'

Q.1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [8]

घर का समूचा इंटीरियर आज करवट बदल चुका है । घर का सबसे पुरातन, सबसे परंपरागत हिस्सा भी ट्रेंडी हो चला है ।

आज से कुछ वर्ष पहले तक पूजा एक कोने में सिमटी रहती थी । खुली अलमारी के किसी खाने में उसका स्थान बना लिया जाता था, चाहे वो कोई भी कमरा क्यों न हो । ड्राइंग रूम में कम लोग इसे पसंद करते थे क्योंकि प्राइवेसी की दरकार होती थी । बेडरूम या रसोई में इसका कोना सुनिश्चित कर लिया जाता था । कुछ इसे खुला रखते थे तो कुछ परदे की ओट में ।

पहले मंदिर में पीतल के लड्डू गोपाल होते थे । इसके अलावा ज्यादातर फ्रेम किए हुए फोटो से ही पूजाघर अटा होता था । फोटो पुराने हुए या रोली लग-लग खराब हो गए तो उन्हें किसी नदी में विसर्जित कर दिया जाता था और उसकी जगह दूसरी फोटो ले लेती थी । इसके अलावा उसमें पीतल का एक दीपदान, स्टील का एक अगरबत्ती स्टैंड जैसी कुछ चीजें होती थी, पर आज यह चित्र बिल्कुल बदल चुका है ।

आज घरों में कोशिश की जाती है कि पूजा के लिए छोटा-सा सही, पर एक अलग कमरा हो । ऐसा वास्तु के प्रचलन में आने के कारण भी हुआ है । ड्राइंग रूम में आज भी विघ्न के कारण पूजा नहीं की जाती । बेडरूम को वास्तु ने वर्जित कर दिया है । घर में मांसाहारी न भी हों तो एगेटेरियन्स की एक बड़ी जमात पैदा हो गई है, इसलिए भी लोग उसके लिए अलग जगह तय करने लगे हैं ।

जब पूजा-स्थल बड़ा होगा तो जाहिर है उसमें मूर्तियाँ भी बड़ी होंगी, इसलिए आज आस्थावान बड़ी-बड़ी पीतल और कांसे की विशालकाए प्रतिमाएँ खरीदने लगे हैं । एम्पोरियम्स से खरीदी गई दक्षिण भारतीय प्रतिमाएँ भी इधर पसंद की जा रही है । पेपरमैशी और टेराकोटा की मूर्तियों का चलन भी बढ़ा है । एंटीक लुकवाली प्रतिमाएँ इलीट वर्ग ज्यादा पसंद कर रहा है । फोटो भी नजर आती है, पर पहले के मुकाबले कम । पूजा से संबंधित बाकी उपादानों में भी फर्क दिखाई देने लगा है । पीतल के बड़े-बड़े दीपदान धूपदान, अगरबत्ती स्टैंड से पूजा होती है ।

दिल्ली और इर्द - गिर्द में लगने वाले हस्तशिल्प मेलों ने भी इसे ट्रेंडी बनाने में भरपूर योगदान दिया है । लोग वहाँ से छाँट-छाँट कर ऐसी चीजें लाते हैं, जिन पर राज्य विशेष की छाप नजर आए और एंटीक लुक भी लगे । जिसके घर में जितनी एंटीक वस्तु, वो उतना ही ट्रेंडी और स्टाइलिश । दिल्ली के जनपथ पर तिब्बती बाजार से ऐसी वस्तुएँ खरीदने वालों की कमी नहीं । बीच में एक दौर आया था, जब लोग लकड़ी के बने टिपिकल मंदिर खरीदने लगे थे । पंचकुइयां रोड, जेल रोड जैसे फर्नीचर बाजारों में दुकानों पर ऐसे मंदिरों की भरमार होती थी । अब भी है, पर अब उन्हें सिर्फ निम्न मध्यम वर्ग पसंद करता है । इससे ऊपर की जमात ऐम्पोरियम्स, हस्तशिल्प मेलों की ओर ही दौड़ती है ।

एक अंतर इंटीरियर से इतर और हुआ है । शहरों के अतिआधुनिकीकरण के बावजूद युवा वर्ग पूजा में ज्यादा रमने लगा है । एक हालिया सर्वेक्षण से भी यह बात साबित हुई है । जाहिर है पूजा घर से जुड़े इंटीरियर में हुए बदलाव इसकी ही देन है ।

प्रश्न :

(क) पहले भगवान किस रूप में पूजे जाते थे ? **[2]**

(ख) मूर्तियों के बारे में क्या बदलाव आया है ? **[1]**

(ग) इसका युवा वर्ग पर क्या प्रभाव पड़ा है ? **[2]**

(घ) आज पूजा के लिए कैसा स्थान तलाशा जाता है ? **[1]**

(ङ) नए ट्रेंड को बनाने में किसका योगदान है ? **[2]**

Q.2. निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [7]

विषुवत् रेखा का वासी जो,
जीता है नित हाँफ-हाँफ कर ।
रखता है अनुराग अलौकिक,
वह भी अपनी मातृभूमि पर ।
ध्रुववासी जो हिम में, तम में,
जी लेता है काँप-काँप कर ।
वह भी अपनी मातृभूमि पर,
कर देता है प्राण-निछावर ।
तुम तो हो प्रिय बंधु ! स्वर्ग-सी,
सुखद, सकल विभवों की आकर,
धरा शिरोमणि मातृभूमि में,
धन्य हुए हो जीवन पाकर ।

प्रश्न :

क) भारतावासी का जीवन धन्य क्यों है? **[2]**

ख) विषुवत् रेखा का वासी हाँफ कर क्यों जीता है ? **[2]**

ग) ध्रुवीय क्षेत्र में रहने वालों के जीवन में क्या-क्या कठिनाइयाँ होती हैं ? **[1]**

घ) 'सकल विभवों की आकर' किसे कहा है ? क्यों ? **[1]**

ग) उपर्युक्त काव्यांश को उपयुक्त शीर्षक दीजिए । **[1]**

खण्ड: 'ख'

Q.3. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए । [1 × 3 = 3]

(क) टोपीवाला बाबू कहाँ गया । (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ख) घर जाकर गृहकार्य पूरा करो । (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ग) चूँकि वह अपराधी था, इसलिए उसे सजा मिली । (साधारण वाक्य में बदलिए)

Q.4. निम्नलिखित वाक्यों में वाच्य परिवर्तन कीजिए । [1 × 4 = 4]

(क) हमसे जोर से नहीं बोला जाता । (कर्तृवाच्य में)

(ख) रमा अपशब्द नहीं बोलती । (कर्तृवाच्य में)

(ग) बच्चे मैदान में खेल रहे हैं । (भाववाच्य में)

(घ) बीमारी के बाद दादी चल भी नहीं पाती । (भाववाच्य में)

Q.5. रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए । **[1 × 4 = 4]**

(क) **वीर** पुरुष सबकी प्रशंसा प्राप्त करता है।

(ख) वह मेरी बात पर **बहुत** हँसा ।

(ग) **घंटी** बजी है, **कोई** आया है ।

(घ) ताजमहल का **सौंदर्य** दर्शनीय **होता है** ।

Q.6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए । **[1 × 4 = 4]**

(क) श्रृंगार रस के भेदों के नाम लिखिए ।

(ख) रौद्र रस का मूल स्थायी भाव लिखिए ।

(ग) विभाव किसे कहते हैं ?

(घ) वीर रस से संबंधित काव्य पंक्तियाँ लिखिए ।

खण्ड: 'ग'

Q.7. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए । **[5]**

शीला अग्रवाल ने साहित्य का दायरा ही नहीं बढ़ाया था बल्कि घर की चारदीवारी के बीच बैठकर देश की स्थितियों को जानने-समझने का जो सिलसिला पिता जी ने शुरू किया था, उन्होंने वहाँ से खींचकर उसे भी स्थितियों की सक्रिय भागीदारी में बदल दिया । सन् ४६-४७ के दिन ... वे स्थितियाँ, उसमें वैसे भी घर में बैठे रहना संभव था भला ? प्रभात-फेरिया, हड़तालें, जुलूस, भाषण हर शहर का चरित्र था और पूरे दमखम और जोश- खरोश के साथ इन सबसे जुड़ना हर युवा का उन्माद । मैं भी युवा थी और शीला अग्रवाल की जोशीली बातों ने रगों में बहते खून को लावे में बदल दिया था । स्थिति यह हुई कि एक बवंडर शहर में मचा हुआ था और एक घर में। पिता जी की आजादी की सीमा यहीं तक थी कि उनकी उपस्थिति में घर में आए लोगों के बीच उठूँ-बैठूँ, जानूँ-समझूँ। हाथ उठा- उठाकर नारे लगाती, हड़तालें करवाती, लड़कों के साथ शहर की सड़के नापती लड़की को अपनी सारी आधुनिकता के बावजूद बर्दाश्त करना उनके लिए मुश्किल हो रहा था तो किसी की दी हुई आजादी के दायरे में चलना मेरे लिए । जब रगों में लहू की जगह लावा बहता हो तो सारे निषेध, सारी वर्जनाएँ और सारा भय ध्वस्त हो जाता है, यह तभी जाना और अपने क्रोध से सबको थरथरा देने वाले पिता जी से टक्कर लेने का जो सिलसिला तब शुरू हुआ था, राजेंद्र से शादी की, तब तक वह चलता ही रहा ।

प्रश्न :

(क) शीला अग्रवाल कौन थी ? उसके योगदान पर प्रकाश डालिए । **[2]**

(ख) एक बवंडर शहर में मचा हुआ था और एक घर में -व्याख्या कीजिए । **[2]**

(ग) लेखिका को प्रभावित करने में उसके पिता का क्या योगदान था ? **[1]**

Q.8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए । [2 × 4 = 8]

(क) वास्तविक अर्थों में 'संस्कृत व्यक्ति' किसे कहा जा सकता है ? **[2]**

(ख) परंपरा के उन्हीं पक्षों को स्वीकार किया जाना चाहिए जो स्त्री-पुरुष समानता को बढ़ाते हों-तर्क सहित उत्तर दीजिए । **[2]**

(ग) परंपरा के उन्हीं पक्षों को स्वीकार किया जाना चाहिए जो स्त्री-पुरुष समानता को बढ़ाते हों-तर्क सहित उत्तर दीजिए । **[2]**

(घ) जवारा के नवाब के साथ अपने पारिवारिक संबंधों को लेखिका ने आज के संदर्भ में स्वप्न जैसा क्यों कहा है ? **[2]**

Q.9. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [5]

यश है या न वैभव है, मान है या सरमाया;
जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया ।
प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,
हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है ।
जो है यथार्थ कठिन उसका तू कर पूजन-
छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना।

प्रश्न :

(क) कवि ने कठिन यथार्थ का पूजन करने की बात क्यों कही है ? **[2]**

(ख) पद्यांश में 'छाया' शब्द किस अर्थ में प्रयुक्त हुआ है ? कवि ने उसे छूने को मना क्यों किया है? **[2]**

(ग) 'मृगतृष्णा' का अर्थ स्पष्ट कीजिए । **[1]**

Q.10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए । [2 × 4 = 8]

(क) कवि के अनुसार फसल क्या है ? **[2]**

(ख) कवि बादल से फुहार, रिमझिम या बरसने के स्थान पर 'गरजने' के लिए कहता हे, क्यों ? **[2]**

(ग) माँ को अपनी बेटी 'अंतिम पूँजी' क्यों लग रही थी ? **[2]**

(घ) संगतकार जैसे व्यक्ति संगीत के अलावा और किन-किन क्षेत्रों में दिखाई देते हैं ? **[2]**

Q.11. एक संवेदनशील युवा नागरिक की हैसियत से विज्ञान का दुरूपयोग रोकने में आपकी क्या भूमिका है ? **[4]**

अथवा

भारत के स्वाधीनता आंदोलन में दुलारी ने अपना योगदान किस प्रकार दिया ?

खण्ड: 'घ'

Q.12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 200 - 250 शब्दों में निबंध लिखिए । [10]

(क) **छात्र और शिक्षक**

छात्र के लिए शिक्षक एवं माता–पिता संस्कारदाता हैं । शिक्षक का दायित्व छात्रों को सत्प्रेरणा देना है तथा छात्रों का दायित्व गुरुओं को सम्मान देना है । आपसी तालमेल से ही छात्र–शिक्षक संबंध की गरिमा बनी रह सकती है ।

विचार-बिंदु –
- घर–प्रारंभिक पाठशाला, माता–पिता प्रथम शिक्षक
- विद्यालय में शिक्षक ही माता–पिता
- शिक्षक का दायित्व : पढ़ाना, दिशा-निर्देशन, सत्कार्यों की प्रेरणा
- छात्र का दायित्व, परस्पर संबंध दोनों परस्पर अपने–अपने दायित्वों को समझें ।

(ख) **सामाजिक जीवन में भ्रष्टाचार**

आज सामाजिक जीवन में भ्रष्टाचार की जड़ें और गहरी होती जा रही हैं । उसके कारणों पर प्रकाश डालते हुए समाधान के उपाय भी बताइए ।

विचार-बिंदु –
- भ्रष्टाचार का बढ़ता स्वरूप
- भ्रष्टाचार : एक नियमित व्यवस्था
- भ्रष्टाचार : क्यों और कैसे ?

(ग) **मन के हारे हार है, मन के जीते जीत**

मनुष्य मन से चलता है । आशा और निराशा उसके दो पक्ष हैं । आशावादी मन से विजय मिल सकती है । इस विषय पर एक निबंध लिखिए ।

विचार-बिंदु –
- मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति : मन
- मन के दो पक्ष : आशा-निराशा
- मन की विजय का अर्थ
- मन पर विजय पाने का मार्ग
- मानसिक विजय ही वास्तविक विजय ।

Q.13. सहायक- अध्यापक के पद के लिए शिक्षा- निर्देशक के नाम एक आवेदन - पत्र लिखिए ।**[5]**

अथवा

विमान- दुर्घटना में आपके मित्र के भाई की मृत्यु हो गई । आप अपने मित्र को एक संवेदना - पत्र लिखिए ।

Q.14. शहर में नया स्कूल खुला है । कक्षा ९ तथा १० वीं के दाखिले शुरू हैं । विज्ञापन तैयार कीजिए । **[5]**

अथवा

एक नया साबुन 'ब्यूटी' बाज़ार में उतरा है । उसकी महक, ताज़गी, ठंडक का उल्लेख करते हुए विज्ञापन तैयार कीजिए ।

All the Best